प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

9 जनवरी, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने 'आजादी का अमृत महोत्सव- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में प्रवासी भारतीयों का योगदान'विषय पर पहली बार डिजिटल पीबीडी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री ने सुरक्षित, कानूनी, व्यवस्थित और कुशल प्रवासन के महत्त्व को रेखांकित करने के लिये एक स्मारक डाक टिकट 'सुरक्षित जाएँ, प्रशिक्षित जाएं'भी जारी किया।
- उल्लेखनीय है कि प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है, जो प्रवासी भारतीयों के साथ जुड़ने और प्रवासी भारतीय को एक दूसरे के साथ बातचीत करने में सक्षम बनाने के लिये एक महत्त्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।
- इंदौर में 08-10 जनवरी, 2023 तक मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से 17वाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।
- इस सम्मेलन का विषय 'प्रवासी: अमृत काल में भारत की प्रगति के लिये विश्वसनीय भागीदार'है। लगभग 70 विभिन्न देशों के 3,500 से अधिक प्रवासी भारतीय सदस्यों ने पीबीडी कन्वेंशन के लिये पंजीकरण कराया है।
- सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव'की थीम पर पहली बार डिजिटल प्रवासी भारतीय दिवस प्रदर्शनी आयोजित की गई है, जो गौरवशाली युग को एक बार फिर से सामने लाती है।
- अमृत काल की अगले 25 वर्षों की यात्रा में प्रवासी भारतीयों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके द्वारा भारत की अनूठी वैश्विक दृष्टि और वैश्विक व्यवस्था में इसकी भूमिका को मज़बूत किया जाएगा।
- पीबीडी कन्वेंशन में पाँच विषयगत पूर्ण सत्र होंगे-
    - युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में 'नवाचारों और नई प्रौद्योगिकियों में प्रवासी युवाओं की भूमिका'पर पहला सत्र।
    - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अध्यक्षता और विदेश राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह की सह-अध्यक्षता में 'अमृत काल में भारतीय हेल्थकेयर इको-सिस्टम को बढ़ावा देने में भारतीय डायस्पोरा की भूमिका: विजन- 2047' पर दूसरा सत्र।
    - विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी की अध्यक्षता में 'भारत की सॉफ्ट पावर का लाभ उठाना - शिल्प, व्यंजन और रचनात्मकता के माध्यम से सद्भावना'पर तीसरा सत्र।
    - शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में 'भारतीय कार्यबल की वैश्विक गतिशीलता को सक्षम करना- भारतीय डायस्पोरा की भूमिका'पर चौथा सत्र।
    - वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 'राष्ट्र निर्माण के लिये एक समावेशी दृष्टिकोण की दिशा में प्रवासी उद्यमियों की क्षमता का उपयोग'पर पाँचवा सत्र।
- 17वें पीबीडी कन्वेंशन का महत्त्व है, क्योंकि यह चार साल के अंतराल के बाद और कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद पहली बार एक वास्तविक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है। महामारी के दौरान 2021 में पिछला पीबीडी सम्मेलन वर्चुअल तौर पर आयोजित किया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/17th-pravasi-bharatiya-divas-convention-in-indore